टाइम्स ऑफ़ पीडिया

ٹائمس آف پیڈیا

TIMES OF PEDIA

NEW DELHI Page 12 Price ₹ 3.00

अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इंसाफ़ की डगर पर

www.timesofpedia.com

WEEKLY HINDI ENGLISH URDU

WED 27 OCT - TUE 02 NOV, 2021 | VOL. 9. ISSUE 45 | RNI No. DELMUL/2012/47011

भाजपा के लिए अग्निपरीक्षा से कम नहीं है उपचुनाव

नई दिल्ली : 14 राज्यों में तीन लोकसभा और 29 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव परिणाम भाजपा के लिए अग्निपरीक्षा साबित हुए हैं। लोकसभा की तीन में से उसे एक ही सीट मिली। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने हार के लिए महगाई को मुख्य कारण बताया। विधानसभा सीटों में उसे सहयोगियों के साथ मिश्रित सफलता मिल सकी। हिमाचल और बंगाल में उसका प्रदर्शन सोचनीय रहा। हिमाचल की मंडी लोकसभा सीट पर कांग्रेस ने कब्जा जमाया तो भाजपा ने मध्यप्रदेश की खंडवा सीटी जीती। शिवसेना ने दादरा व नगर हवेली सीट पर जीत हासिल कर भाजपा को झटका दिया।

प. बंगाल में उसने दोनों सीटें गंवाई, यहां टीएमसी ने चारों सीटों पर कब्जा कर लिया। वहीं हिमाचल में भी उसे बड़ी हार मिली है। न सिर्फ मंडी लोकसभा सीट पर कांग्रेस ने कब्जा कर लिया बल्कि विधानसभा सीटों पर भी कांग्रेस ने ही परचम लहराया। राजस्थान में भी उसे कोई सीट नहीं मिली। राजस्थान में कांग्रेस ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए दोनों सीटें अपने नाम कीं।

मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने भाजपा से रैगांव सीट छीन ली है। जोबट में कांग्रेस से दो बार विधायक रहने के बाद भाजपा में शामिल हुई सुलोचना रावत ने कांग्रेस के महेश पटेल को हरा दिया है। रैगांव में कांग्रेस की कल्पना वर्मा और पृथ्वीपुर में डॉ. शिशुपाल यादव ने जीत हासिल कर ली है। खंडवा संसदीय सीट पर भाजपा ने कब्जा कायम रखा है।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी नीत तृणमूल कांग्रेस ने 30 अक्टूबर को हुए उपचुनावों में भाजपा को रिकॉर्ड अंतर से हराते हुए राज्य की सभी चार सीटें अपने नाम कर लीं।

पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क घटाने की केंद्र की घोषणा एक नाटक के अलावा कुछ भी नहीं है. पहले रेट बढ़ा दिए फिर थोड़ा सा कम कर दिया जिससे सरकार मूर्ख जनता का भरोषा लेना चाहती है. उपचुनाव में मिली हार केन्द्र सरकार के लिए मंथन का विषय है.

—आईटीएन

Ali Aadil Khan - Editor's Desk

फ़क़ीर का कटोरा और देश भक्ति...

दोस्तो आपके पास वोट था, आपने फकीर को दे दिया,जोसेवक बनके आया था, फकीर के पास कटोरा था, उसने वो आपको दे दिया, अब आप आत्म निर्भर बनो या भिकारी आपकी मर्जी... वैसे अगर राष्ट्रभक्ति में जनता भिकारी बन भी जाये तो क्या है?? लेकिन नेताओं का कुछ नहीं बिगड़ना चाहिए. हालाँकि आजकल जनता नेताओं की परेड कराने लगी है, और जगह जगह नेताओं को रुस्वा होना पड़ रहा है, और यह लोकतंत्र तथा जनता के लिए और देश के लिए बहुत बेहतर है. जनता के सीनों से गुलामी के एहसास को निकालना ही होगा और किसान आंदोलन ने करके दिखाया है... खैर..

56 इंच के सीने का बड़ा शोर रहा लेकिन उसका लाभ न तो अभी तक विरोधी को हुआ और और न देश को.

असल में तो सीने के अंदर धड़कने वाला जो दिल है उसके साफ और बड़ा होने से बात बनती है की वो कितना इंसानियत, और देश के लिए तड़पता धड़कता है, दूसरों के दर्द को महसूस करने वाला दिल होना चाहिए... वो बिलक्ति और सिसकती आहों को कितना महसूस करता है... बाहर से तो राक्षस का सीना बहुत बड़ा होता है.जो तबाही और नफरत के लिए दिखता है...

भाजपा सांसद और गाँधी परिवार के दुसरे चश्म ए चिराग वरुण गाँधी पिछले दिनों अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे पर थे वहां उनमें कुछ देर के लिए उनके बाप संजय गाँधी की झलक दिखाई दी जिसमें अड़ियलपन और निडरता थी, और साथ ही किसी भी नतीजे से बेपरवाह दिख रहे थे वरुण, वरुण गांधी को भाजपा की क्रूरता, निरंकुशता और साम्प्रदायिकता को समझने मे सात साल लग गए, वह भी तब जब न तो उनके पास कोई मन्त्रालय रहा और न उनकी माताश्री के पास अब है. खैर, देर आयद दुरूस्त आयद... वरुण मंडी समिति गए किसानो का हाल सुना, अधिकारीयों ला परवाहि देखि तो बिखर गए और खरी खरी सुनाने के बाद धमकी दी तुम सबको जेल भिजवा दूंगा, अदालत जाऊँगा और किसानो को उनकी म्हणत का दाम दिलाऊंगा यह पहली बार देखने को मिल रहा था वहां की जनता को जो एक अच्छा शगुन था, साथ ही बीजेपी खेमे में गुस्से के साथ डॉ और असहजता का बढ़ जाना भी स्वाभाविक था...

किसान आंदोलन में रहेगा खेती पर ध्यान नहीं लगा पायेगा, अनाज की पैदावार में कमी आएगी....तो अनाज की किल्लत होगी और फिर अडानी अपनी मर्जी से कीमत तय करेगा अपने गोदामों के अनाजो,दालों, तिलहन और फलों की.

हिटलर ने कहा था कि नागरिकों को इतना कुचल दो की वो जिंदा रहने को ही अपना विकास समझे, और जान बच जाने में अपनी सफलता... देश में बढ़ती मंहगाई, बेरोजगारी और पेट्रोल डीजल के के आसमान छूते दामों पर कुछ लोग पहले से इस बात का माहौल बना रहे थे, की अगर पेट्रोल 200 रूपये लीटर भी होगा तो हम खरीदेंगे देश हित में,नया च्ड हाउस भी क्या देश हित में, PM के 2 नए जहाज भी देश हित में, PM security और आपराधिक मामलों में लिप्त टप्ध सिक्योरिटी में भूकी नंगी जनता का लाखों अरब रुपया देश हित में?? वाह कितना विचित्र विकास और देशभक्ति है, वाह... अरे अगर हमारी सरकारों में बैठे सभी नेता यह कहें की आज से हम भी आम नागरिक की तरह जीवन वयतीत करेंगे, कोई VIP सुविधा नहीं लेंगे मामूली वेतन लेंगे और अपने नागरिकों की सुविधा के लिए रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा हर हाल में फ्री करेंगे और नागरिक सुरक्षा को सुनिश्चित किया जाता तो यह थी सेवा, यह थी देश भक्ति और यह था आत्म निर्भर भारत के मॉडल...

जब देश में 6 ग्राम ड्रग्स वाले से 25 करोड़ की मांग हो तो,3000 किलो वाले से कितने बने होंगे, क्या आपको इसका अंदाजा है? सरकारी एजेंसियों में भी महंगाई बड़ गई है जाहिर है वो भी तो इसी देश में हैं...

फेकू कुछ तुम भी तो आत्मनिर्भर बनो या सब कुछ भक्तों से ही कराते रहोगे, और कब तक नेहरू और कांग्रेस को कोसकर काम चलाओगे, क्योंकि अब भारत फिर से बदल रहा है और देश New India से Old India की योजना बना रहा है, जैसे कांग्रेस मुक्त भारत से नया इंडिया बना ऐसे ही भाजपा मुक्त से ओल्ड भारत की बात करने लगा है देश जिसकी बानगी उपचुनाव के नतीजों में देखने को मिली है. जिसमें देश की जनता ने भाजपा को नकार दिया है... हालांकि कुछ विश्लेषकों का कहना है की यह EVM को सही साबित करने का हथकंडा है, उपचुनाव को Genuine कराओ और आगामी 5 राज्यों के विधान सभा और 2024 के आम चुनाव में धान्द्ली कराई जा सके ताकि किसी को यह कहने का मौका न मिले की EVM की वजह से चुनाव जीती है भाजपा...

फेकू जी देश और जनता को चूसने का कार्यक्रम कब तक चलेगा, अब तो कुछ देश के भले का काम भी कर लिया जाए, चुनाव भी करीब हैं और वैसे भी जाने का नंबर है, वैसे ये फेकू कौन है, अब जो भी हो... मगर ये लाइन सिर्फ फेकू के लिए ही है... हो सके तो हमारा यह सन्देश हमारे प्रधान मंत्री को भी पहुंचा दें... इस जुमले से जिसको भी परेशानी हो समझ लेना वही फेकू है या फेकू का समर्थक या पार्टी...

रबीन्द्रनाथ जैसे दिखने वाले तो बहुत से लोग हैं, लेकिन उनमें से एक पहले ही कह चुके है आत्मनिर्भर भारत बनाएंगे, मतलब सरकार से कोई उम्मीद ना रखी जाए अपने झगड़े और मसले खुद निबटाओ और खुद की परेशानी खुद झेलो, अपनी रक्षा खुद करो. पार्टी तो सत्ता भोगने आती है और नफरत फैलाने तथा कुछ वर्गों को निमटाने, राज्यों और कुछ जगहों के नाम बदलने आई है, और देश को ठिकाने लगाकर चली जायेगी.

अब रहा डमकपं का मामला तो इनके बारे में एक दर्शक लिखते हैं ष्मेरा जब भी तवायफों का मुजरा देखने का दिल करता है, 10 रूपये का गजरा हाथ में लपेट कर NEWS देखने बैठ जाता हूं यानी गोदी मीडिया वाले Channels देखने बैठ जाता हूँ यहाँ मुझे मुजरा और नाटक सब देखने को मिल जाता है... यह हाल कर दिया है इन तवायफों और भांडों ने... अति दयनीय है यह सब कुछ... देश दुनिया में हमारे भारत का नाम था आज मजाक बनाई जा रही है. अब आप यह करो फकीर का कटोरा वापस कर दो और अपने वोट का सही इस्तेमाल करो, यही राष्ट्र भक्ति और देश प्रेम हैश फिलहाल,शुक्रिया.

Editor/Owner/Printer/Publisher: Ali Aadil Khan, K-2-A-001, Abul Fazal Enclave-I, Jamia Nagar, Okhla, ND - 25. **Printed at :** Shobi Offset Press, 2818, Gali Gadhiaiya, Kuchachalan, Daryaganj, ND. - 2

114th URS OF HAZRAT MOHAMMAD NABI RAZA SHAH (QSA)

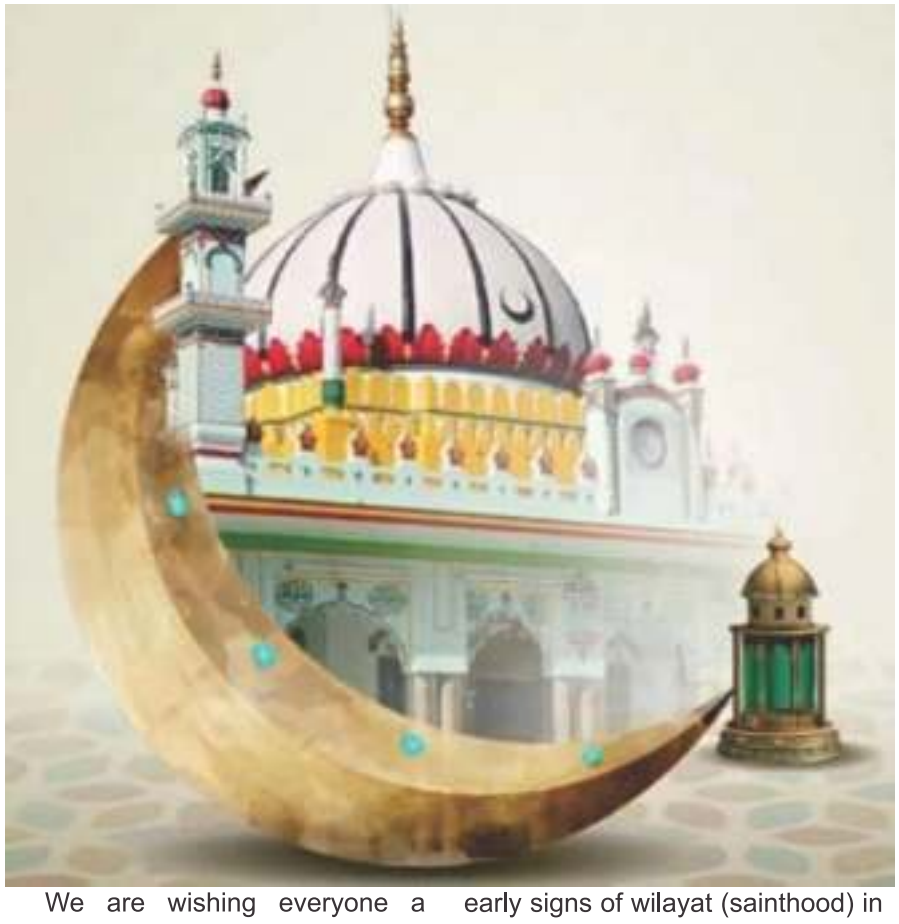

We are wishing everyone a blessed URS (annual commemoration of passing) of Hazrat Khawaja Mohammad Nabi Raza Shah Qaddas Allahu Sirrahu "QSA" (May Allah sanctify his secret) who is lovingly known as "Dada Miyan." His title was "Asad-e-Jahangir" (The Lion of Jahangir).

He was born in the year 1867 (1284 A.H.) in Bhainsori Sharif, Rampur, Uttar Pradesh, India. The early signs of wilayat (sainthood) in him were that he recited Bismillah to start reading the Holy Qur'an at only 4 years old, and stayed away from childhood games compared to other kids his age. He focused on the different Islamic sciences, and later joined military service. He served in the military for 10 years and resigned when he was 29 years old.

When Hazrat Shah Jahangir (II) Fakhrul Arefin Mawlana Abdul Hai (QSA) came from Chittagong, Bangladesh to Calcutta, India, during one of his travels, he stayed at the home of one of his disciples (mureeds). This is where Hazrat Mohammad Nabi Raza Shah (QSA) met him and became his disciple (mureed).

Hazrat Mohammad Nabi Raza Shah's (QSA) life changed due to the spiritual attention bestowed upon him by Hazrat Fakhrul Arefin Mawlana Abdul Hai (QSA). Hazrat Mohammad Nabi Raza Shah (QSA) would offer prayers the entire night, and keep fast during the day. He was known to offer Fair (dawn prayer) with the wudhu (ablution) of Isha (night prayer). He performed many Chillas (spiritual seclusion for 40 days) to devote himself completely to Allah Subhanahu wa Ta'la for spiritual attainment. He even performed a Chillah at Mirzakhil Sharif in Bangladesh.

After only a few years, Hazrat Fakhrul Arefin (QSA) honored Hazrat Mohammad Nabi Raza Shah (QSA) with Khilafat. Hazrat Mohammad Nabi Raza (QSA) presented himself at Darbar Ajmer Sharif, and later settled in Lucknow, India in the year 1904.

Hazrat Mohammad Nabi Raza Shah (QSA) had a special close connection with his spiritual guide, Hazrat Mawlana Abdul Hai (QSA). Once Hazrat Mawlana Abdul Hai (QSA) said in front of his mureeds, "Ham nae sab kuch Lucknow wale Khan Saheb ko ata kardiya takhe Hindustan ke talib-e-haqq Lucknow mein Hazrat Khawaja Mohammad Nabi Raza Shah ke bargah mein hazir hokar istifaadah hasil karne mein aasani ho," (We have given everything (spiritual) to Hazrat Mohammad Nabi Raza (QSA) so that it is easier for the students of truth in India as they can present themselves in the court of Hazrat Khawaja Mohammad Nabi Raza Shah (QSA) for their spiritual goals).

Hazrat Mohammad Nabi Raza Shah (QSA) was very generous towards poor people and was known to keep himself away from rich people. He said that the love and respect of our Prophet ﷺ is the highest peak of Iman (faith).

He passed away on the 24th of Rabi al-Awwal, 1329 A.H. His spiritual successor was his brother, Hazrat Khawaja Mohammad Inayath Hasan Shah QSA who was also a very accomplished shaykh in his time.

Dua:

O'Merciful Lord accept our supplications;For the sake of King Mohammad Nabi Raza

Ho Dua Maqbool Hamari Sadka E La Thak Nathu,Shahensha E Mohammad Nabi Raza Ke Wasthey

Silsila – E – Aaliya Khushhaliya !!

(Ref: Ejaz-e-Jahangir, pages 1-73).

-ITN

देशवासियों को
दिपावली
के पर्व पर
टाईम्स ऑफ पीडिया
की ओर से
हार्दिक
शुभकामनाएं

NOTICE:
Times of Pedia does not guarantee, directly or indirectly, the quality or efficacy of any product or services described in the advertisements or other material which is commercial in nature in this Newspaper. Furthermore, Times of Pedia assumes no responsibility for the consequences attributable to inaccuracies or errors in the printing of any published material from the news agencies or articles contributed by readers. It is not necessary to agree with the views published in this Newspaper. All disputes to be settled in Delhi Courts only.

Former CAG Vinod Rai and BJP should apologize to the whole country – Sachin Pilot

Former Union Minister, Senior Congress leader, Mr. Sachin Pilot, in a press conference at the State Congress Headquarters today, while making a scathing attack on former CAG Shri Vinod Rai and BJP leaders, said that the 1500 pages decision of the Hon'ble Court's decision has put an end to the lies and the fake story of 2G spectrum and coal scam of about Rs 176 crore during the tenure of Manmohan Singh led government. The biggest thing that happened in this case is that former CAG Vinod Rai, who made the allegation, in his affidavit to the court, has admitted that in the said case we have made factual mistakes and we have lied. Sachin Pilot said that Vinod Rai prepared a concoction to defame and destabilize the Manmohan Singh government, on which the leaders of the Bharatiya Janata Party created a lot of hue and cry and tried to defame it.

Former Union Minister Shri Sachin Pilot said that former CAG Vinod Rai has himself apologized by giving an affidavit to the court holding himself responsible for the factual mistakes. The court gave a clear decision and said that an attempt was made to defame the Manmohan Singh government by lying in the 2G spectrum and coal report. Those who made a ruckus on the fake scam of 2G spectrum and coal are silent and are part of the government today, meaning they were insulting the Congress-led UPA government mandate by lying. Vinod Rai, along with the Prime Minister and other BJP leaders, should apologize to the people of the country.

Responding to the questions, Mr. Pilot said that Priyanka ji is struggling for the respect and justice of farmers, unemployed and women, Uttar Pradesh is sitting on a pile of problems, instead of resolving it, the government is cheating the people by indulging in politics of division. He said that in Uttar Pradesh, our National General Secretary Mrs. Priyanka Gandhi raised her voice against injustice, is fighting against the oppression of farmers, and has stood as a shield for the honor of daughters, change is sure in UP, the public's faith in Congress is getting stronger and stronger. He is impressed by Priyanka ji's leadership ability, her remarks reflect her strong belief that Congress knows how to fulfill its promises and commitment to the people. Targeting the BJP, he said that BJP has spread lies and deceit to get the mandate of public and has tarnished the faith of public shown to them. There is loot by the government in order to benefit their capitalist friends. There is no place for farmers, unemployed youth and women in the agenda of the BJP government. Congress is emerging as a powerful political force capable of dethroning the present government in UP that can be seen in the Pratigya rallys of Priyanka ji.

त्रिपुरा में अल्पसंख्यकों पर हमले के पीछे है वीएचपी और...

त्रिपुरा के उत्तर त्रिपुरा जिले में गुरुवार को एक बार फिर मुसलमान समुदाय पर हमले की घटना सामने आई है. ये हमला उस जगह से थोड़ी ही दूर पर हुआ जहां 48 घंटा पहले एक मस्जिद तोड़ दी गई थी, दुकानें जला दी गईं थीं और अल्पसंख्यकों के घरों में तोड़फोड़ की गई थी. इस हमले के लिए विश्व हिंदू परिषद से के कार्यकर्ताओं को जिम्मेवार ठहराया जा रहा है. हालांकि पुलिस ने इस मामले में किसी को गिरफ्तार नहीं किया है.

वीएचपी के वरिष्ठ नेता पूर्णाचंद्रा मंडल के मुताबिक उन्होंने त्रिपुरा में कुल 51 जगहों पर बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमले की घटनाओं को लेकर विरोध प्रदर्शन किए गए थे. उनके मुताबिक हिंसा तब शुरू हुई जब एक प्रदर्शनकारी पर अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने पत्थर से हमला किया और अशोक कुमार सरकार नाम के एक व्यक्ति को अस्पताल ले जाना पड़ा. उनका दावा है कि पानीसागर पुलिस स्टेशन में इस घटना के बाद अशोक कुमार की पत्नी रानी शिल सरकार ने शिकायत भी दर्ज कराई गई है.

स्थानीय मुस्लिम समुदाय में बार–बार हो रहे हमलों को लेकर डर का माहौल है, जो कि पूर्वोत्तर राज्यों के लिए नई बात है. साल 2018 में हुए चुनाव में बीजेपी ने सीपीएम के नेतृत्व वाली लेफ्ट सरकार को हराया था. लेफ्ट राज्य पर 25 सालों तक सत्ता में रही थी.

इस घटना से चार दिन पहले राज्य में मुसलमानों के सबसे बड़े संगठन जमाइत उलेमा (हिंद) ने मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब से मुलाकात कर आगह किया था कि ऐसी घटना हो सकती है और हिंदू और मुस्लिम समुदाय के बीच शांति को खतरा है. इसी डेलीगेशन का हिस्सा रहे इमाम अब्दुल रहमान ने कहा, अगर पुलिस और प्रशासन ने कड़ाई से परिस्थिति को संभाला होता तो ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता था.

रहमान अगरतला शहर के जामा मस्जिद के मुख्य इमाम भी हैं. त्रिपुरा में मुसलमानों की कुल आबादी 40 लाख है.

उन्होंने कहा, इतिहास की बात करें तो त्रिपुरा में जब राजशाही थी तब भी और 1949 में भारत में विलय के बाद भी धार्मिक हिंसा कभी नहीं हुई है. पहली बार 2019 बैदादीगीह में एक संगठित भीड़ ने मस्जिदों और मुसलमानों पर हमला किया और अब ये पूरे राज्य में हो रहा है.

त्रिपुरा के शाही परिवार के प्रमुख प्रियदत्त किशोर देब बर्मा कहते है कि राज्य में हिंदू–मुस्लिम विभाजन एक

हालिया घटना है जो कि धार्मिक ध्रुवीकरण के जरिए राजनीतिक फायदे के लिए किया जा रहा है.

वो कहते हैं, त्रिपुरा में कभी हिंदू मुस्लिम के बीच झगड़े नहीं थे, दोनों सालों से शांति से रह रहे हैं और उनके साथ यहां के लोग भी रहते हैं. अब हम देख रहे हैं कि त्रिपुरा में कुछ गुट आ रहे हैं और मस्जिदों को जलाने और मुस्लिमों के खिलाफ नारे लगाने का काम कर रहे हैं.

ष्ये लोग बांग्लादेश के उन लोगों के बहकावे में आ रहे हैं जो चाहते हैं कि वहां से हिंदुओं को निकाला जाए और भारत के शेख हसीना की सरकार के साथ रिश्ते खराब हों. अगर वो बांग्लादेश में अपने लक्ष्य में कामयाब हो जाते हैं तो इसका असर सीधा इस इलाके के विकास पर पड़ेगा और पहले से ही घनी आबादी वाले इस राज्य में और रिफ्यूजी आ जाएंगे और यहां की शांति भंग होगी.

देब बर्मन त्रिपुरा कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके हैं और उन्होंने सीएए और एनआरसी पर दोहरे मापदंड का आरोप लगाते हुए इस्तीफा दे दिया था और एक नई पार्टी शुरू की. उनका कहना कि ये अलग–अलग घटनाएं नहीं है और उन्हें इसमें एक राजनीतिक डिजाइन दिखती है. वो कहते है, ष्ये राजनीति से प्रेरित है क्योंकि जब समाज में धर्म के नाम पर ध्रुवीकरण होते है तो लोग नौकरियां रोजगार, विकास, शिक्षा नहीं मांगते और सिर्फ हिंदू मुस्लिम के झगड़े में फंस जाते हैं. ये सत्ता में बैठी पार्टी की नाकामी को छुपाने के लिए किया जा रहा है और वो बांग्लेदेश में हुई हिंसा का फायदा उठाना चाहते हैं. वो अगले महीने होने वाले नगर निगम चुनाव को ध्यान में रखकर ये कर रहे हैं. त्रिपुरा तीन तरफ से 856 किलोमीटर लंबे बॉर्डर से बांग्लादेश से घिरा है. लेकिन बांग्लादेश में बहुसंख्यक मुसलमानों द्वारा पूर्व में की गई हिंसा का यहां बहुत असर नहीं देखने को नहीं मिला है, सिवाय कुछ प्रदर्शनों के. 1980 में त्रिपुरा में बंगाली और आदिवासियों के बीच हिंसा हुई थी, जिसमें दोनो हिंदू मुस्लिम शामिल थे. त्रिपुरा में आदिवासी विद्रोह और आजाद देश की असफल मांग को लेकर सशस्त्र विद्रोह का एक लंबा इतिहास रहा है और गैर आदिवासी बंगालियों पर हमला करते रहे हैं, वो उन पर आरोप लगाते हैं कि उन्होंने आदिवासी समुदाय को अल्पसंख्यक में बदल दिया है.

त्रिपुरा कांग्रेस ईकाई ने राज्य की राजधानी अगरतला में हालिया हिंसा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रही है. कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ट्विटर पर लिखा, हमारे मुसलमान भाइयों के साथ त्रिपुरा में हिंसा की जा रही है. हिंदू होने के नाम पर हिंसा और नफरत फैलाने वाले लोग हिंदू नहीं हैं. सरकार कब तक नहीं देखने और सुनने का नाटक करती रहेगी.

सीपीआईएम के विधायक ने कहा, त्रिपुरा में कभी भी हिंदू मुस्लिम झगड़े नहीं हुए हैं. 1992 में जब बाबरी मस्जिद को गिराया गया था तब भी राज्य में सिर्फ दो जगहों कालाछारा और पानीसागर में छिटपुट घटनाएं हुई थीं. यहां सभी समुदाय शांतिपूर्ण तरीके से रहते हैं लेकिन अब सांप्रदायिकता का खतरा बढ़ रहा है, ये कोविड –19 से भी खतरनाक हैष

वहीं, बीजेपी नेताओं का समूह जिनमे सांसद रेबाती त्रिपुरा और विधायक बिनय भूषण दास शामिल थे, हिंसा वाली जगहों पर पहुंचे और वहां रहने वालों से बात की. बिनय भूषण दास ने कहा कि मुख्यमंत्री ने संपत्ति के नुकसान के लिए मुआवजे का एलान किया है. उन्होंने ये भी कहा कि मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है.

उन्होंने कहा, मुमकिन है कि कुछ असामाजिक तत्व रैली में या बाहर से आए हों, और उन्होंने विपक्षी दलों के समर्थन से हिंसा फैलाई हो. पुलिस की जांच में सच सामने आएगा और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा. बीजेपी सांसद विनोद सोनकर ने हिंसा के लिए तृणमूल कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया, जो त्रिपुरा में अपने पैर पसारने की कोशिश में हैं.

आरोपों पर जवाब देते हुए राज्य में टीएमसी की प्रभारी सुष्मिता देव ने कहा, अगर हिंसा के पीछे तृणमूल है तो बिप्लब देव की सरकार और पुलिस किसी को गिरफ्तार करने में कामयाब क्यों नहीं हो पाई. मुझे लगता है कि सरकार पुलिस की मदद से हिंसा फैला रही है कि बीजेपी के डीएनए में है. पुलिस का कहना है कि उन्होंने सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए हैं. हालांकि उत्तर त्रिपुरा जिले के एसपी भानुपाड़ा चक्रवर्ती ने कहा कि पानीसागर इलाके में मस्जिद के जलाए जाने की गलत खबर सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही है. –एजेंसी

अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी कामेंग नदी का पानी अचानक काला हो गया. क्या चीन का हाथ ?

नई दिल्ली : चीन ने एक बार फिर भारत के साथ बुरा बर्ताव किया है. दरअसल, अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी कामेंग नदी का पानी अचानक काला हो गया. इस नदी में मौजूद हजारों मछलियां मरगईं. इसको लेकर जिला मत्स्य पालन अधिकारियों का कहना है कि पानी में कुल विघटित पदार्थों की बढ़ी हुई मात्रा के कारण इसका पानी काला हुआ है. नदी के पास मौजूद सेप्पा इलाके में रहने वाले लोगों ने चीन को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है. चीन में हो रहे निर्माण कार्यों की वजह से नदी का पानी दूषित हो गया जिसके कारण हजारों मछलिया मर गईं. मौतों का कारण टीडीएसकी बड़ी उपस्थिति है बताई गई जिस कारण जलीय प्रजाति पानी न तो ढंग से देख

पाती हैं और न ही आसानी से सांस ले पाती हैं. एक रिपोर्ट के हवाले से कहा गया कि नदी में टीडीएस 6,800 मिलीग्राम प्रति लीटर था, जो सामान्य सीमा 300–1,200 मिलीग्राम प्रति लीटर से काफी अधिक है.

सेपा के निवासियों ने नदी में टीडीएस में वृद्धि के लिए चीन को दोषी ठहराया, आरोप लगाया कि पड़ोसी देश द्वारा निर्माण गतिविधियों के कारण पानी का रंग काला हो गया है. आपको बता दें कि पूर्वी सियांग जिले के पासीघाट में सियांग नदी नवंबर 2017 में काली हो गई थी. अरुणाचल पूर्व के तत्कालीन कांग्रेस सांसद निनॉन्ग एरिंग ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर उनके हस्तक्षेप की मांग करते हुए दावा किया कि यह चीन में 10,000 किलोमीटर लंबी सुरंग के निर्माण का परिणाम था, जिसने सियांग से शिनजियांग प्रांत में पानी को मोड़ दिया. हालांकि चीन ने इन आरोपों का खंडन किया था.

मदरसों को लेकर भारत नेपाल सीमा पर चौकसी की वजह क्या है...

भारत को अब नेपाल सीमा पर भी ज्यादा चौकसी बरतनी पड़ रही है. क्योंकि भारत–नेपाल सीमा से सटे सिद्धार्थनगर जिले पर पिछले बीस साल में मदरसों और मदरसे की संख्या में चार गुना इजाफा हुआ है. इसमें से ज्यादा मदरसे भारत नेपाल के सीमावर्ती इलाकों में खुले हैं, जो देश की सुरक्षा एजेंसियों के लिए चौंकाने वाली खबर है.जानकारी के मुताबिक सिद्धार्थनगर जिले में 597 मदरसे हैं और इसमें से 452 मदरसे पंजीकृत हैं और 145 मदरसों का कोई रिकॉर्ड नहीं है. लिहाजा अब खुफिया एजेंसियां अलर्ट हैं. क्योंकि नेपाल से भारत में कई आतंकी आ चुके हैं.

फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां इस बात पर नजर रख रही हैं कि जिले में जो मदरसे चले रहे हैं, उनका सरकारी रिकॉर्ड क्यों नहीं हैं और इनको संचालित करने में पैसा कहां से आ रहा है. देश की सुरक्षा

एजेंसियां कई बार खुलासा कर चुकी हैं कि भारत में आतंकी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए खाड़ी के देशों से फंडिंग आ रही है और ये फंडिंग अवैध मदरसों को दी जा रही है. पिछले दिनों ही यूपी एटीएस ने जिस धर्मांतरण रैकेट का भंडाफोड़ किया था. उसके पास भी फंडिंग विदेशों से आ रही थी और धर्मांतरण के खेल में बड़े मदरसे भी शामिल थे. जिसके बाद जांच एजेंसियों ने अपने जांच का दायरा बढ़ा दिया था और कई लोगों को गिरफ्तार भी किया था.

जानकारी के मुताबिक जिले में चल रहे मदरसों के लिए दुबई और खाड़ी देशों से फंडिंग आ रही है और जिसके बाद स्थानीय स्तर पर मदरसे खुल रहे हैं. सरकारी आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 1990 में जिले में कुल 16 मान्यता प्राप्त मदरसे संचालित हो रहे थे. लेकिन पिछले साल तक इन मदरसों की संख्या बढ़कर 147 हो गई.

जिले के अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी तन्मय कुमार का कहना है कि कोई भी व्यक्ति मदरसा खोल सकता है. लेकिन सरकारी अनुदान केवल मान्यता प्राप्त मदरसों को दी जाती है. वहीं एसएसबी 43 वींवाहिनी के डिप्टी कमांडेंट मनोज कुमार का कहना है कि सीमावर्ती इलाके में जिन मदरसों के रिकॉर्ड नहीं हैं, उन पर नजर रखी जा रही है. फिलहाल जिले में मदरसों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं.

किसानों के एक साल से चल रहे आंदोलन का निकलेगा कोई हल

लखनऊः किसान आंदोलन को एक साल पूरा होने जा रहा है, लेकिन सरकार से टकराव के इस लम्बे आंदोलन के बीच लगातार सुखद खबरें आ रही हैं. जनवरी के बाद से किसान नेताओं से बातचीत के दौर का खत्म करने वाली सरकार ने अब गंभीर परिस्थितियों को सामान्य करने की ओर कदम बढ़ाया है. दिल्ली बॉर्डर पर जहां पुलिस द्वारा बेरिकेडिंग को हटाया गया, वहीं यूपी सरकार ने भी किसान नेताओं से समस्याओं के समाधान के लिए वार्ता प्रारम्भ की. आज लखनऊ में शासन के शीर्ष अधिकारियों ने किसान नेताओं से वार्ता की.

किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू के नेताओ व शासन के अधिकारियों से कृषि उत्पादन कार्यालय पर बैठक आयोजित की गयी. जिसमे धान खरीद ,गन्ना भुगतान, आवारा पशुओं के नियंत्रण, खाद की उपलब्धता, बिजली के

दाम कम करने,किसानों के निजी नलकूप का सामान सामान्य योजना के अंतर्गत निर्गत किये जाने ,कृषि ऋण में किसानों की जमीन नीलाम न किये जाने पर विस्तृत चर्चा की गयी.

धान खरीद में 2 नवंबर तक तेजी लाने व खरीद में भ्रष्टाचार करने वालो पर कार्यवाही का आश्वासन देते हुए पूरे प्रदेश में 3 नवंबर तक सभी क्रय केंद्र चालू कराने के निर्देश दिए जाने पर सहमति बनाई गयी. धान खरीद में सत्यापन का अधिकार लेखपाल को दिए जाने व ऑफलाइन सत्यापन का आश्वासन दिया गया.

बिजली दरे काम करने व सामान्य योजना का सामान निर्गत किये जाने हेतु डाटा मंगाकर समान दिए जाने ,बिजली दरों पर विचार करने का भी आश्वासन दिया गया. 3 दिसम्बर तक शुगर मिलो का इंडेन्ट जारी करने व दीपावली से पूर्व भुगतान का आश्वासन दिया गया. प्रदेश में मांग के अनुसार क्षेत्रवार 10 नवंबर तक आपूर्ति सुनिश्चित किये जाने का भी आश्वासन दिया गया. उपरोक्त सभी विषयों पर प्रगति को लेकर 8 नवंबर को पुनः बैठक तय की गयी.

बैठक में अवनीश अवस्थी अपर मुख्य सचिव गृह, कृषि उत्पादन आयुक्त, प्रमुख सचिव कृषि, खाद्य आयुक्त, सचिव गन्ना, सचिव बिजली सहित कई अधिकारी मौजूद रहे. भाकियू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेश सिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष राजवीर जादौन, धर्मेन्द्र मलिक,मीडिया प्रभारी, दिगंबर सिंह, हरिनाम सिंह वर्मा, हसीब सिंह, दिलबाग सिंह, बलजिंदर सिंह मान, अनुपम चौधरी, गुरमीत सिंह,सहित 21 लोग मौजूद रहे. –एजेंसी

-:: संक्षिप्त समाचार ::-

अमिताभ ठाकुर जेल से रिहा

दुष्कर्म पीड़िता और उसके साथी को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में गिरफ्तारी के समय पुलिस अभिरक्षा में जाने से इनकार व विरोध करने और सरकारी कामकाज में बाधा डालने के आरोपी पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर की जमानत अर्जी शुक्रवार को स्वीकार हो गई.

बीएसपी के 6 विधायक आए सपा में

1. असलम राईनी (श्रावस्ती) 2. मुजतबा सिद्दीकी (प्रयागराज) 3. हाकिम लाल बिंद (प्रयागराज) 4. सुषमा पटेल (जौनपुर) 5. असलम चौधरी (हापुड़) 6. हरगोविंद भार्गव (सीतापुर)

यूपी सरकार ने लगाया बैन

उत्तर प्रदेश सरकार ने खराब एयर क्वालिटी को देखते हुए एनसीआर के अपने शहरों समेत कुछ शहरों में किसी भी तरह के पटाखों की बिक्री या जलाने पर पाबंदी लगा दी है.

गैस सिलेंडर के ग्राहकों के लिए जरूरी जानकारी

1 नवंबर से रसोई गैस सिलेंडर (एलपीजी सिलेंडर) की डिलीवरी की पूरी प्रक्रिया बदलने जा रही है. गैस बुकिंग के बाद ग्राहकों के मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी भेजा जाएगा.

जब सिलेंडर डिलीवरी के लिए आएगा तो आपको इस ओटीपी को डिलीवरी बॉय के साथ शेयर करना होगा. एक बार इस कोड का सिस्टम से मिलान हो जाने पर ग्राहक को सिलेंडर की डिलीवरी ही मिलेगी.

नई सिलेंडर डिलीवरी पॉलिसी में उन ग्राहकों की मुश्किलें जिनके पते गलत हैं और मोबाइल नंबर गलत हैं, इस वजह से उन सिलेंडरों की डिलीवरी रोकी जा सकती है. तेल कंपनियों ने सभी ग्राहकों को अपना नाम, पता और मोबाइल नंबर अपडेट करने की सलाह दी है. ताकि उन्हें सिलेंडर की डिलीवरी लेने में किसी तरह की दिक्कत न हो. यह नियम कमर्शियल (एलपीजी) सिलेंडर पर लागू नहीं होगा. अगर आप इंडेन ग्राहक हैं तो अब से आप पुराने नंबर पर गैस बुक नहीं कर पाएंगे.

इंडेन ने अपने एलपीजी ग्राहकों को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर गैस बुकिंग के लिए एक नया नंबर भेजा है. अब इंडेन गैस के ग्राहकों को एलपीजी सिलेंडर बुक करने के लिए 7718955555 पर कॉल या एसएमएस करना होगा.

बता दें कि राज्य की तेल कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को रसोई गैस सिलेंडर के दाम तय करती हैं. दाम भी बढ़ सकते हैं और राहत भी मिल सकती है. ऐसे में 1 नवंबर को सिलेंडर के दामों में बदलाव किया जा सकता है. अक्टूबर में तेल कंपनियों ने कमर्शियल सिलेंडर के दाम में बढ़ोतरी की थी.

–एजेंसी

यूपी पुलिस की गिरफ्त में आया नटवरलाल नीरेश वर्मा

बरेली : यूपी के बरेली में पुलिस ने एक ऐसे नटवरवाल को गिरफ्तार किया है जो मंत्री और सांसद तो कभी उनका जनप्रतिनिधि बनकर पुलिस अधिकारियों को फोन करके अपना काम निकलवाता था. हद तो ये है कि वो महिलाओं की जैसी भी आवाज निकाल लेता था. हालांकि इसके लिए वो एक तरह का साफ्टवेयर इस्तेमला करता था. इस मामले में पुलिस को जब शक हुआ तो उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. इसके बाद सारी हकीकत सामने आ गई और फरेब भी पुलिस के सामने आ गया. पुलिस ने उसके खिलाफ कार्रवाई कर जेल भेज दिया है.

जानकारी के मुताबिक पुलिस की गिरफ्त में आया नटवरलाल नीरेश वर्मा पिछले दिनों बदायूं की सांसद डॉ. संघमित्रा मौर्य और धौरहरा की सांसद रेखा वर्मा के नाम से महिला जैसी आवाज निकालकर फोन किया. आरोपी ने एसएसपी बरेली को फोन करके बैरियर वन चौकी इंचार्ज को हटाने के लिए कहा. इसके इंस्पेक्टर को कई बार फोन किया. जब इंस्पेक्टर संजय कुमार को बातचीत करने के अंदाज से शक हुआ तो उन्होंने एसएसपी को बताया. इसके पहले एसएसपी के पास भी दो–तीन बार फोन आ चुका था. इसपर एसएसपी का शक गहराया तो इंस्पेक्टर इज्जतनगर ने जांच पड़ताल शुरू कर दी. पहले पुलिस समझ रही थी कि फर्जी सांसद बनकर कोई महिला फोन कर रही है. बाद में पता चला कि नीरेश ही सॉफ्टवेयर की मदद से अपनी आवाज को महिला की आवाज में बदल देता है.

बता दें कि इज्जतनगर क्षेत्र में रहने वाले लोटन सिंह के प्लॉट का लंबे समय से विवाद चल रहा है. दूसरे पक्ष का कार्य रुकवाने के लिए नीरेश ने लोटन सिंह से 20 लाख रुपये लिए थे. जब वो काम नहीं कर पाया तो 10 लाख रुपये वापस कर दिए, लेकिन बाकी पैसे वापस नहीं किया था. इसी के चलते उसने सांसस बनकर बात की और एसएसपी रोहित सिंह सजवाण चौकी इंचार्ज ब्रजेश कुमार को हटाने के लिए कहा. पुलिस ने बताया कि पहले वह खुद सांसद का पीए बनकर फोन मिलाता था फिर बताता था कि सांसद जी बात करेंगी. इसके बाद खुद बात करता था, लेकिन सॉफ्टवेयर से उसकी आवाज महिला की आवाज में बदल जाती थी. दूसरी तरफ फोन सुनने वाले अधिकारी को लगता था कि सांसद ही बोल रही हैं.

पुलिस को नीरेश के पास से तीन मोबाइल और चार सिम कार्ड मिले हैं. एक मोबाइल कीपैड वाला है. जिसमें चाइनीज मोबाइल में मैजिक वायर चौंजर सॉफ्टवेयर पड़ा है, जिसके जरिए ही वह आवाज बदलता था. जांच पड़ताल में पता चला कि छह माह से नीरेश इन सिम का इस्तेमाल कर रहा था. पुलिस को एक कार भी मिली है. जो दिल्ली नंबर की है. कार पर सायरन भी लगा है. उत्तर प्रदेश सरकार का लोगो भी बना है. इस मामले में पुलिस अधिकारी रोहित सिंह जजवाण का कहना है कि एक जमीन के मामले में कई बार फोन आया तो शक हुआ. जब आरोपी की गिरफ्तारी हुई तो सारी हकीकत सामने थी.

नकली खाद बनाने वाली फैक्टरी का भंडाफोड़

आगराः उत्तर प्रदेश के आगरा में कृषि विभाग ने रहनकला में ब्रांडेड कंपनी के नाम से नकली खाद (नाइट्रोजन फास्फोरस पोटाश) बनाने की फैक्टरी का भंडाफोड़ किया. यहां डिटरमेंट, जिप्सम और सोडा मिलाकर नकली खाद बनाया जा रहा था.टीम ने 543 बोरो में 277.5 क्विंटल नकली खाद समेत मशीनें जब्त की हैं. पुलिस ने ट्रक भी जब्त किया है. डीएम को भी रिपोर्ट दे दी है.

जिला कृषि अधिकारी विनोद सिंह ने बताया कि रहनकला में शुक्रवार की देर रात को पुलिस के साथ गोदाम पर छापा मारा. गोदाम में ट्रक से बोरे से उतर रहे थे. यहां पर प्रशांत कुमार मिला, जिसने बताया कि वह ओम ट्रेडर्स जीवनीमंडी के श्रीभगवान गुप्ता निवासी बल्केश्वर का कर्मचारी है और उनके कहने पर बोरों की गिनती करने के लिए आया है. यहीं पर ठेकेदार रामनारायण भी मिला, उसने बताया कि संजय पुत्र लीलाधर के कहने पर आठ मजदूरों को लेकर बोरा उतरवाने आया है. पूछताछ में उन्होंने नकली खाद बनाकर बाजार में आपूर्ति की बात कही. इस पर ट्रेडर्स के मालिक श्रीभगवान गुप्ता, फतेहाबाद के मोहल्ला जाटवन निवासी संजय पुत्र लीलाधर, यहीं के निवासी प्रशांत कुमार पुत्र संजय, एत्मादपुर के गढ़ी बच्ची निवासी ठेकेदार रामनारायण और प्लाट मालिक मनोज भार्गव के खिलाफ उर्वरक नियंत्रण आदेश–1985 और आवश्यक वस्तु अधिनियम –1955 के तहत एफआइआर दर्ज कराई है.

ब्रांडेड कंपनी के खाली 586 बैग, दो इलेक्ट्रोनिक तराजू, एक सिलाई मशीन और धागा, प्लास्टिक की कट्टियां 12(प्रति पैकेट 50 किलो) , सफेद पाउडर से भरे पैकेट 43 (प्रति पैकेट 50 किलो) और जिप्सम ग्रेनुअल से भरे सफेद पैकेट 500 (प्रति पैकेट 50 किलो) मिला.

चीन के डिटेंशन सेंटरों में मानव अंगों की कालाबाज़ारी?

चीन में उइगर मुसलमानों पर अत्याचार से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है. दरअसल, एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन ने इन उइगर मुसलमानों के अंगों की कालाबाजारी कर अरबों रुपए की कमाई की है.समाचार पत्र श्हेराल्ड सनश की एक रिपोर्ट के मुताबिक करीब डेढ़ लाख लोगों को यहां जबरन कैद कर रखा गया है. कैद के दौरान जबरदस्ती इन मुसलमानों के महत्वपूर्ण शारीरीक अंग जैसे, किडनी और लिवर जबरन निकाले जा रहे हैं और उनकी कालाबाजारी जा रही है.

ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में स्थित एक मॉर्निंग टैब्लॉइड अखबार की रिपोर्ट में इस बारे में कई खुलासे किए गए हैं कि कैसे एक स्वस्थ लिवर लगभग 1 करोड़ 20 लाख रुपये प्राप्त करता है और इस व्यापार में चीन को सलाना 75 अरब रुपये के आसपास की सलाना कमाई होती है. गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब चीन के डिटेंशन सेंटरों में मानव अंगो की कालाबाजारी की गई हो. इससे पहले भी कई बार चीन पर इस तरह के आरोप लग चुके हैं. इस साल की शुरुआत में, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग (यूएनएचआरसी) ने कहा कि उइगर, तिब्बतियों, मुसलमानों और ईसाइयों सहित अल्पसंख्यकों के आंगों की तस्करी से मानवाधिकार विशेषज्ञ बेहद चिंतित हैं.

चीन ने शिनजियांग प्रांत में उइगर आबादी की निगरानी और नियंत्रण के लिए नए आंतरिक और बाहरी तंत्र विकसित किए हैं. इनमें प्रबंधकों को शामिल करने की नई प्रणाली बनाई गई है, जिन पर कम से कम 10 उइगर परिवारों की निगरानी करने की जिम्मेदार होगी. इसी तरह चीन इन दिनों तिब्बत पर भी अपना विशेष ध्यान केंद्रित कर रहा है. इनपर सीसीटीवी कैमरों से हर वक्त कड़ी नजर रखी जाती है. जिस इलाके में यह रहते हैं उस इलाके से इन्हें निकलने तक की मनाही है और कई जगहों पर बैरियर लगाए गए हैं ताकि वो इस इलाके से बाहर ना जा सकें. शिनजियांग व तिब्बत दोनों ही प्रांतों में मानवाधिकारों के घोर हनन के आरोप हैं.

वहीं द संडे मॉर्निंग हेराल्ड में लिखते हुए एरिक हैगशॉ ने कहा है कि एरिक हैगशॉ ने बताया कि तिब्बत और शिनजियांग में नजरबंदियों की बढ़ती संख्या चिंता का विषय है क्योंकि चीन का पूरा फोकस इन दोनों प्रांतों पर है. चीन यहां पर अपनी संस्कृति लादना चाहता है, ताकि उइगरों और तिब्बतियों की धार्मिक पहचान खत्म की जा सके. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों को बिना इन्हें पूर्व में सूचित किये ही नष्ट किया जा रहा है.

–एजेंसी

बिहार विधान परिषद के पूर्व सदस्य अनुज कुमार सिंह ने ली राजद की सदस्यता

औरंगाबादः (बिहार) आज 28 अक्टूबर 2021 को गया जिले के पूर्व, बिहार विधान परिषद, सदस्य एवं जिला परिषद, चेयरमैन, रह चुके, अनुज कुमार सिंह को राष्ट्रीय जनता दल की सदस्यता दिलाने के लिए खुद प्रतिपक्ष नेता, तेजस्वी प्रसाद यादव औरंगाबाद पहुंचे.

ऐसे तो यह कार्यक्रम राष्ट्रीय जनता दल मिलन समारोह के नाम पर आयोजित हुआ. इस संबंध में संवाददाता ने भी अप्रैल 2021 में ही प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया था कि बिहार विधान परिषद, औरंगाबाद, के उम्मीदवार हो सकते हैं, गया के पूर्व एम0एल0सी0, अनुज कुमार सिंह. ध्यातव्य हो कि बुधवार दिनांक 27 अक्टूबर 2021 को जब मुख्यालय स्थित निवास स्थल पर अनुज कुमार सिंह से संवाददाता की सुबह में मुलाकात हुई, तो सर्वप्रथम श्री सिंह से सवाल पूछा कि आपका राष्ट्रीय जनता दल पार्टी की ओर से औरंगाबाद सीट पर विधान परिषद, सदस्य, हेतु उम्मीदवार बनने पर कई लोगों का कहना है कि ये तो बाहरी प्रत्याशी हैं.

औरंगाबाद जिले में लगभग स्थानों पर बाहरी प्रत्याशी बनाम लोकल प्रत्याशी की ही बात हो रही है? इस संबंध में आप क्या कहेंगे? तब पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि हम लोग औरंगाबाद लोकसभा क्षेत्र के ही रहने वाले हैं. मेरा भी पैतृक घर औरंगाबाद लोकसभा क्षेत्र तथा इमामगंज विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बोधी बिगहा ही पड़ता है. यह विरोधी सिर्फ लोगों को दिग्भ्रमित कर रहे हैं. यह मेरा अधिकार है. यहां के औरंगाबाद, सांसद जब गया जिला अंतर्गत इमामगंज डुमरिया विधानसभा क्षेत्र तथा गुरुआ, गुरारू, परैया, कषठा, टिकारी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत महमना, केसपा में जाकर वोट मांगते हैं, तो क्या हम औरंगाबाद जिला में वोट नहीं मांग सकते हैं? इसके बाद जब श्री सिंह से पूछा गया कि बिहार में वर्तमान तारापुर विधानसभा क्षेत्र तथा कुशेश्वरस्थान दो स्थानों पर उप चुनाव हो रहे हैं, जिसमें महागठबंधन से अलग हटकर कॉग्रेस अपनी अलग खेमा में चुनाव लड़ रही है. विधान परिषद के चुनाव में राजद उम्मीदवार को तो कांग्रेस पार्टी के लोग भी समर्थन नहीं करेंगे? इस विषय पर आप क्या कहना चाहेंगे? तब पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि यह दोनों पार्टी का अलग अलग खेमा, सिर्फ एम0एल0सी0 चुनाव भर ही रहेगा, या चुनाव के बाद खत्म हो जाएगा? अब इसका निर्णय तो पार्टी के सीनियर लीडर ही न करेंगे? क्योंकि विधान परिषद का चुनाव तो फरवरी माह में होना है.

जब पूछा कि आप तो पूर्व में गया सीट से जनता दल यूनाइटेड, पार्टी के सीट पर चुनाव लड़कर एम0एल0सी0 बने थे? तो आप जनता दल यूनाइटेड की पार्टी क्यों छोड़ दी? तब पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि हम सन् 2006 से लेकर 2009 तक गया जिला परिषद के चेयरमैन भी बने थे. सन् 2009 से लेकर 2019 तक हम जदयू में ही थे. फिर नीतीश कुमार 2015 बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन में चले गए थे. तब हम भारतीय जनता पार्टी से एम0एल0सी0 का चुनाव लड़ गए.

हक की आवाज उठाने के लिये शिक्षकों का आभार: प्रियंका गांधी

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया संयोजक प्रवक्ता श्री अशोक सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने कांग्रेस महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी से आज मुलाकात कर कोरोना काल के दौरान चुनाव ड्यूटी करते हुए मृतक शिक्षकों के हक की आवाज उठाने के लिए आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रतिनिधिमंडल ने कर्मचारियों, शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों, आंगनबाड़ी, आशा बहनों एवं रसोइयों के हितों की मांगों को श्रीमती प्रियंका गांधी के समक्ष रखकर समस्यओं के सम्बंध में विस्तृत चर्चा कर जानकारी देते हुए कहा विपरीत हालातों में काम करने के बाद भी समस्याओं का समाधान नही हो रहा है। कांग्रेस की प्रभारी राष्ट्रीय महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी ने प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल की बातों व समस्याओं को गम्भीरतापूर्वक सुनकर प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन देकर बताया कि शिक्षकों–कर्मचारियों की कई मांगों पर जल्द ही कांग्रेस की तरफ से वे घोषणायें करेंगी। जिससे शिक्षको, शिक्षा मित्रों, अनुदेशकों, आशा बहुओं, रसोइयों आदि की समस्याओं के समाधान के लिये ठोस प्रयास कांग्रेस करेंगीं । उंन्हांनें कहा कि कांग्रेस की प्रतिबद्धता आपके साथ है। आपके साथ हुए अन्याय को हम देख रहें है। न्याय के संघर्ष में आपके साथ है।

–आईटीएन

12 Persons Killed, Several Injured in Doda accident, toll likely to rise

JK, 28-Oct; At least ten persons are dead while several got injured after a mini bus travelling from Thathri to Doda fell into a gorge in Jammu and Kashmir's Doda district today morning. The incident took place while the bus was on its way to Doda from Thathri and suddenly rolled down into a deep gorge along with river Chenab on Thathri-Doda road near Sui Gwari.

As per the information provided by the Additional SP of Doda, the rescue operation is still underway. The injured persons have been sent to the hospital for medical treatment.

Meanwhile, Prime Minister Narendra Modi also condoled deaths in the road accident. An ex-gratia of Rs 2 lakh each from PMNRF would be given to the next of kin of those who have lost their lives, the injured would be given Rs 50,000, PMO said.

"'Saddened by the road accident near Thatri, Doda in Jammu and Kashmir. In this hour of grief, I convey my condolences to the bereaved families. I pray that the people who have been injured recover at the earliest," a tweet from the Prime Minister's Office (PMO) said.

Union Minister Dr Jitendra Singh says 8 people have lost their lives in a road accident near Thatri in Doda, Jammu and Kashmir. Just now spoke to DC Doda Vikas Sharma, the injured being shifted to GMC Doda; Whatever further assistance required will be provided, he adds.

The minister also paid condolences to the families of those killed in the road accident.

Deeply anguished to hear about the tragic road accident in J&K's Doda. My thoughts & prayers for the families who have lost their loved ones. Have directed the Dist Admin to provide immediate relief to families of deceased & best medical assistance to the injured, tweets Office of LG J&K. -ITN

मर जाऊंगी पर बीजेपी के साथ कभी नहीं मिलूंगी-प्रियंका गांधी

स्वर्गीय प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की शहादत दिवस व लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर गोरखपुर के चम्पादेवी पार्क में आयोजित रैली में ''लड़की हूं लड़ सकती हूं'' के नारे से भाषण की शुरुआत करते हुए कांग्रेस की प्रभारी राष्ट्रीय महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी ने ऐलान किया कि वे मर जायेंगी लेकिन बीजेपी से कभी नहीं मिलेंगी। समाजवादी पार्टी की ओर से कांग्रेस और बीजेपी को एक बताने को हास्यास्पद बताते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष जनता के मुद्दों पर संघर्ष से गायब है। सिर्फ कांग्रेस पार्टी के लोग आरएसएस और बीजेपी से समझौताहीन संघर्ष कर रहे हैं।

उन्होंने उत्तर प्रदेश के उम्भा में आदिवासियों के नरसंहार, प्रयागराज में निषादों के उत्पीड़न, हाथरस, उन्नाव, शाहजहांपुर में बेटियों के साथ अन्याय, लखनऊ के विवेक तिवारी के साथ अन्याय, महोबा के व्यापारी इन्द्रकांत सहित गोरखपुर में कानपुर के व्यापारी मनीष गुप्ता की हत्या का जिक्र करते हुए कहा कि यूपी में अन्याय और कुशासन चरम पर है।

श्रीमती प्रियंका गांधी ने प्रतिज्ञा रैली में उमड़े जनसैलाब को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरकार ने नाव, नदी पर निषादों के अधिकार को छीन लिया है। हम मछली पालन को कृषि का दर्जा देकर उनकों कृषकों के समान सुविधाएं देंगे, खनन में निषाद समुदाय को प्राथमिकता देंगे और गुरु मछेन्द्रनाथ के नाम पर विश्वविद्यालय की स्थापना करेंगे।

उन्हांनें कहा कि पूर्वांचल की चीनी मिलों को सपा–बसपा के राज में बंद किया गया। महिलाओं पर अत्याचार, अन्याय उत्पीड़न हो रहा है, उनको कही न्याय नहीं मिल रहा है, लेकिन हम महिलाओं के सशक्तीकरण के लिये काम करेंगे। अपनी प्रतिज्ञाओं को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिये लड़ूंगी, आपको शक्ति दूंगी, आप हमारा साथ दीजिये। मैं आपके लिये लड़ूंगी, मर जाऊंगी लेकिन कभी झुकूंगी नहीं। उन्हांनें कहा कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के विज्ञापनों में दिखाए गए विकास के कही दर्शन अभी तक नही हुए। उन्होंने कहा कि यूपी में किसानों की सुनवाई नही हो रही है। धान और गन्ने के दाम को लेकर बीजेपी सरकार के तमाम दावे खोखले साबित हुए हैं।

उन्होंने कहा कि जनता को अन्याय, अत्याचार से बचना मेरा धर्म है मेरी आस्था जनता और देश के प्रति है। कांग्रेस का एक–एक कार्यकर्ता इंदिरा जी की तरह जनता व देश के प्रति अपने शरीर का एक–एक कतरा खून कुर्बान करने को तैयार है श्रीमती प्रियंका गांधी ने कबीर दास का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा महंगाई बढाकर जनता को लूटकर अपने पूंजीपति मित्रों की जेब मे धन डाल रही है। देश मे प्रति व्यक्ति आय 27 रुपये है। प्रधानमंत्री के मित्र प्रतिदिन हजार करोड़ कमा रहें हैं। असमानता बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार बनने पर प्रतिवर्ष तीन घरेलू रसोई गैस सिलेंडर मुफ्त देगी। आज हजार रुपये के करीब सिलेंडर हो गया है जिसने जनता का दीवाला निकाल दिया है। उन्हांनें कहा कि 70 सालों की मेहनत के बल पर हासिल विकास को सात सालों में गंवा देने वाली भाजपा सरकार में प्रतिदिन 3 युवा बेरोजगार आत्महत्या करने को विवश है।

श्रीमती प्रियंका गांधी ने कहा कि जनता आस्था व्यक्त कर नेताओं के प्रति विश्वास व्यक्त करती है, वादा तोड़ने वाले नेताओं से सवाल पूछना जनता का हक है।

रैली को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री अजय कुमार लल्लू, पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद, आरपीएन सिंह, पूर्व सांसद श्री कमल किशोर कमांडो, श्री जितेंद्र सिंह, पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी, श्री अखिलेश प्रताप सिंह, श्री इमरान प्रतापगढ़ी, श्री वीरेंद्र चौधरी, श्री विश्वविजय सिंह सहित अनेक नेताओं ने सम्बोधित किया। –आईटीएन

SUBSCRIPTION FORM
TIMES OF PEDIA

Issue	Subscription Price	Years
52	250/-	1
104	500/-	2
260	1,300/-	5
520	2,600/-	10
--	5,000/-	Life

Name :.....
Address :.....
.....
.....
Email:.....
Contact Phone No.....
for donation ☐ /life ☐ /10 yrs ☐ /5 yrs ☐ subscription
The sum of Rupees..... (Rs...../-)
through cheque/DD No.....dt.....

Fill the above form neatly in capital letters and send it to us on the following address :
Times of Pedia, K-2-A-001, Abul Fazal Enclave-I,
Jamia Nagar, Okhla, New Delhi-110025
or email : **timesofpedia@gmail.com**

Also Send us your subscription, membership, donation amount in favour of Times of Pedia, New Delhi
Punjab National Bank,Nanak Pura Branch,
New Delhi-110021
A/C No.1537002100017151, IFS Code : PUNB 0153700

Ending Someone's thirst is the Biggest Deed of Humanity

ADVERTISEMENT TARIFF
TIMES OF PEDIA

Size/Insertion Single	B&W (Rs)	4 Colour (Rs)
Full Page (23.5 x 36.5 cm)	30,000/-	1,00,000/-
A4 (18.7 x 26.5 cm)	20,000/-	60,000/-
Half Page (Tall-11.6 x 36.5 cm)	18,000/-	50,000/-
Half Page (wide-23.5 x 18 cm)	8,000/-	50,000/-
Quarter Page (11.6 x 18 cm)	10,000/-	28,000/-
Visiting Card size (9.5 x 5.8 cm)	3,000/-	10,000/-

MECHANICAL DATA:

Language: English, Hindi and Urdu

Printing: Front and Back - 4 Colours , Inside pages - B&W

No. of Pages: 12 pages (more in future)

Price: Rs. 3/-

Print order: 25,000

Periodicity: Weekly

Material details: Positives/Format of your advertisements should reach us 10 days before printing.

Note: 50% extra for back page, 100% extra for front page

Please Add Rs. 10 for outstation cheques.

50% advance of total add cost would be highly appreciable, in case of one year continue add. Publication cost will reduce 50% of actual cost.

Bank transactions details of TIMES OF PEDIA
Send your subscriptions/memberships/donations etc. (Cheques/DD) in favour of TIMES OF PEDIA New Delhi
Punjab National Bank,Nanak Pura Branch , New Delhi-110021
A/C No.1537002100017151, IFS Code : PUNB 0153700

Passionate Cries To Save Our Planet Was The Recurrent Theme Of Parliament Of The World's Religions 2021

Dr. A. K. Merchant :*

The 3-day virtual Parliament of the World's religions concluded in a spirit of fervent bonding and camaraderie connecting thousands around the world. From 16th through 18th October thousands participated to partake of the hundreds of inspiring and riveting presentations, prayers, music and dance, exhibitions and displays, workshops and many other unique features all echoing again and again the call to humanity: OPENING OUR HEARTS TO THE FUTURE OF THE WORLD: COMPASSION IN ACTION.

Chicago in 1893 is considered to be birthplace of the modern interfaith movement when the first Parliament of the World's religions with its ground-breaking dialogues among leaders of Eastern and Western religious traditions, fostering understanding, cooperation and social harmony. Since 1893, six more Parliaments have been hosted in the United States, South Africa, Spain, Canada and Australia; attended by tens of thousands of people from around the world. The program was hosted in Central US time, coinciding with the location of the Parliament headquarters in Chicago, with invitation to all peoples to connect according to their respective time zones..

...audiences cried out from the depths of their hearts, some with tears in their eyes, to heed the call of "compassion in action" starkly manifest in the suffering of vast multitudes during the past two years due the global health emergency caused by COVID-19....

Some of the notable speakers for this 8th Parliament included, among others: His Holiness the 14th Dalai Lama, Marianne Williamson, Grandmother Flordemayo, Rabbi David Rosen, Bishop William E. Swing, Hon'ble Dr. Karan Singh, Eboo Patel, Steve Sorowitz, Lord Karan Billimoria, Andrew Harvey, Paul Knitter, Soraya Deen, Charline Manuel, His All Holiness Ecumenical Patriach Bartholomew, Jane Goodall, Bhai Sahib Mohinder Singh Ahluwalia, Vandana Shiva, Kusumita Pedersen, Baba Wanbe Abinbola, His Eminence Aidul Rahman Muha,, Jonathan Granoff, Nitin Ajmera, Mother Maya Tiwari, Stephen Avino, Atmapit Nemji, Mallika Kaur, H. Ps. Phyllis Curott, Dolly Dastoor, the list can go on. Students from several universities were sponsored to attend this world's premier interfaith convention to learn about diversity and interface among different faiths and spiritual streams and expand their perspectives on various issues of concern for our time.

The planning process spanned more than one year by the Board of Trustees. Scores of volunteers were recruited to utilize the best available in today's information, communication technology to craft and execute the three-day non-stop event with meticulous attention, care, and concern. A sincere applause for the resounding success. The convergence of such diverse range of human beings, for the most part believers of umpteen hues, all of whom in unison, gave a clarion call: "save our planet, save our only home, this pale blue dot in the vast Milky Way," to a world that is rapidly moving towards self-annihilation as a result of the climate crises, wars for territorial gain and control of planet's finite resources, conflicts among peoples due to race, caste, language, religious beliefs, economic disparities, and divisive creeds and what-have-you. .

Strident warnings of even greater devastation and destruction on the one hand and appeals for mutual tolerance, good-will, and repeated calls for forgiveness and repentance were heard again and again right from the first welcome address in the Opening Plenary on 16th October 2021. Religious luminaries, distinguished personalities, globally recognized peace activists, environmentalists, social scientists, experts in almost all fields of human endeavour, grass-root workers–from the United Nations to retired government functionaries–addressed the participating delegates and beyond them all the peoples of the world.

Global solidarity, lokasamgraha, or vasudhaiva kutumbakam, is no more a pious dream. It is an accepted urgent practical necessity. Many who addressed the Parliament whether at the Plenaries or through smaller audiences cried out from the depths of their hearts, some with tears in their eyes, to heed the call of "compassion in action" starkly manifest in the suffering of vast multitudes during the past two years due the global health emergency caused by COVID-19. Others, both presenters and listeners, were in full agreement that our lives are intertwined, our destiny is common. For civilization to march onward, a resilient humanity must strive for the greater good of all in its collective will and lived spiritual coherence. There is no denying that the world was and is a unified body, yet it is groping for its soul. If humankind is to save itself, it must change the axis of its thought and adopt eco-friendly life-style.

Recognizing the oneness of our Creator, regardless of names or description; the oneness of religious and spiritual paths with all its myriad diversities; the interdependence of all life on earth, its flora and fauna leading up to the highest evolved species—humans the 2021 Parliament comprising nearly 600 events once more committed itself to counter the negative forces of materialism, of relativism, recourse to expediency, and moral bankruptcy.

There was renewed plea to abolish mass destruction and nuclear weapons; to stoppage of international terrorism; the establishment of world peace; to focus on ecological sustainability; ensure equality and justice for women and girl-children. As a faculty of human nature the indispensability of religion and faith traditions to social order have been repeatedly demonstrated by its direct effect on laws and systems of governance. Setting aside the question: What kind of religion or spiritual path? It was acknowledged that religious system should be defined by its capability and capacity of responding creatively to every fresh challenge, whether it comes by way of outer events or of ideas from within each society.

The diagnosis: most religious institutions or spiritual organizations are failing to empower the masses to walk the path of justice and righteousness. The current break-down of society is generally due to a failure to devise adequate responses to new challenges, a failure to retain the voluntary allegiance of the common people who, exposed to forces of thought and criticism, are destitute of true faith. Unless religious and spiritual systems of today stem the scourge of defective ideologies and divisive forces there is little hope for a better future of the world. In this age of science and technology one cannot be called upon to accept incredible dogmas or substitute faiths that the spawn whole continents of our planet. True religion has to be a source of fellowship, the cause of unity and nearness of the supreme Divinity for enlightenment and spiritual well-being.

Last but not the least, a special session was devoted to soul-stirring prayers and invocations in a cathartic journey of grief and mourning to remember all who had lost their lives during the current global health pandemic and the bereaved families. Grief has been clear and present for communities around the world in unprecedented ways since the last Parliament held in 2018 in Toronto, Canada. Deeply introspecting upon the intractable problems confronting nations and societies throughout the planet the greatest take-away from this Parliament for me was that peoples of whatever race, caste, nation, or religion, creed and profession, are being challenged to subordinate all lesser loyalties and limiting identities to their interdependence and oneness as inhabitants of a single planetary homeland.

*The author is a social worker and independent researcher. As an alumni of the past Parliament he made his presentation at the 8th Parliament on 18 October 2021 at 12:30 am "Role of Religious Communities in Equality & Justice for Women." He can be contacted at akmerchant@hotmail.com / 9810441360.

केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही गरीब कल्याण योजना मामले में सांसद, जिलाध्यक्ष, जन वितरण प्रणाली पर हो कार्रवायी सल्लू खान

सांसद को नहीं हैं प्रोटोकाल की जानकारी, भारतीय संविधान के बारे में पढ़ ले सांसद, सांसद झोला पर अपना फोटो छपवाकर गरीबों के बीच करते हैं अनाज वितरण

औरंगाबादरू (बिहार) अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी के राहुल गांधी यूथ ब्रिगेड, प्रदेश अध्यक्ष, मो0 शहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान तथा उनके सदस्यों ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर आरोप लगाते हुए कहा है कि सांसद, सुशील कुमार सिंह एवं भाजपा जिलाध्यक्ष सरकार द्वारा चलाई जा रही गरीब कल्याण अन् योजना को सामाजिक कार्य न करते हुए प्रचार प्रसार का माध्यम बनाया जा रहा है, क्योंकि गरीब कल्याण योजना हर गरीब का अधिकार है. जिसे सरकार द्वारा अन् योजनाओं के तहत इस योजनाओं को भी शामिल किया गया है, परंतु सांसद, सुशील कुमार सिंह इस योजना को बैनर व झोला पर अपना तथा प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी का फोटो छपवाकर गरीबों को बांट रहे हैं. प्रधानमंत्री का फोटो तो समझ आता है, क्योंकि यह योजना सरकार के तरफ से ही गरीबों के लिए लाया गया है. लेकिन सांसद तथा जिलाध्यक्ष का फोटो झोला पर छापना कैसा उचित है? साथ ही सरकार की योजनाओं पर किसी पार्टी विशेष का लोगों नहीं होना चाहिए, बल्कि

उस पर सरकार द्वारा किए जा रहे कार्य योजनाओं पर सरकार का लोगों होना चाहिए. जैसे कि सत्यमेव जयते, परंतु यहां गरीबों को इस योजना के तहत जो भी सामग्री बांटी जा रही है. उस पर सांसद का फोटो तथा भाजपा का कमल छाप का फोटो लगा हुआ है. इसे देखते हुए यूथ ब्रिगेड, राहुल गांधी के सदस्यों ने इसे प्रचार प्रसार का माध्यम बताया है.

सदस्यों ने आगे कहा है कि यह प्रोटोकॉल के खिलाफ है. ऐसा भद्दा मजाक गरीबों के साथ एक सांसद तथा भाजपा के कुछ अन्य लोग कर रहे हैं. यह बहुत ही शर्म की बात है. यह गरीबों के साथ मजाकिया व्यवहार है. साथ ही सरकारी योजनाओं को गरीबों तक सरकार के माध्यम से पहुंचाया जाना चाहिए. लेकिन यहां पार्टी बैनर और पार्टी विशेष लोगों का फोटो छपवाकर वितरण किया जा रहा है या एक सोची समझी राजनीति तथा प्रचार प्रसार है. इस विषय पर लोगों ने आक्रोश जताते हुए कहा है कि आगे से जिला प्रशासन इस विषय पर कड़ी नजर रखें, और जो काम प्रोटोकॉल के खिलाफ किया जा रहा है. उसका सही इस्तेमाल करने की सलाह भाजपा पार्टी को दें.

सल्लू ने कहा है कि बीते दिनों कोरोनाकाल में सांसद सुशील कुमार सिंह कहां थे? दूर दूर तक वह दिख ही नहीं रहे थे, और कोई भी अन् उनके द्वारा गरीबों तक नहीं पहुंचाया गया था, तो अब अचानक ऐसा क्या हुआ? जो भुखमरी में साथ न आया हो? वह अब अपना प्रचार प्रसार करने के लिए झोला पर पार्टी लॉगों और अपना फोटो छपवाकर बांट रहे हैं. जब इनकी जरूरत थी. तब यह नजर नहीं आए. ऐसी घटिया राजनीति से अच्छा है कि लोग राजनीति से संयास ले ले. सल्लू ने बताया है कि इस विषय पर एक ज्ञापन डी0एम0 को भी सौंपा गया है. 'इस पर उचित कार्रवाई नहीं हुई, तो हम सब जन आंदोलन करेंगें. इस मौके पर मो0 जुल्फेकार, रंजन कुमार, पिंटू कुमार, दीपक कुमार, मो0 गयासुद्दीन, प्रकाश कुमार, राहुल कुमार, अभिषेक कुमार, मो0 सैफुल्लाह, मो0 अकबर, पंकज कुमार सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे.

—अजय कुमार पाण्डेयरू

औरंगाबाद में अनुसूचित जाति हेतू, ग्रामीण जीवन बनाम शहरी जीवन पर वाद विवाद, निबंध प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

औरंगाबादः (बिहार) मंगलवार दिनांक 26 अक्टूबर 2021 को मुख्यालय स्थित योजना भवन, सभागार में अनुसूचित जाति समुह हैतू माध्यमिक स्तर के छात्र छात्राओं द्वारा जिला स्तरीय, ग्रामीण जीवन बनाम शहरी जीवन पर आधारित वाद विवाद, निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. जो मंत्रिमंडल सचिवालय राजभाषा विभाग, बिहार सरकार, पटना एवं जिला प्रशासन, औरंगाबाद के संयुक्त तत्वाधान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

जिला स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का मूल्यांकन 27 अक्टूबर 2021 से बाद विवाद, प्रतियोगिता का विषय, ग्रामीण जीवन बनाम शहरी जीवन, निबंध प्रतियोगिता का विषय शराबबंदी से समाज का बदलता स्वरूप पर भी आधारित था. इस कार्यक्रम का निवेदक, शिक्षा विभाग, औरंगाबाद था. जिसमें औरंगाबाद, जिला पदाधिकारी, सौरभ जोरवाल, पुलिस अधीक्षक, कानतेश कुमार मिश्रा, उप विकास आयुक्त, अंशुल कुमार, सदर अनुमंडल पदाधिकारी, विजयंत, जिला शिक्षा पदाधिकारी, संग्राम सिंह सहित गणमान्य शिक्षाविदों ने भी संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की. इस कार्यक्रम का संयोजक सह मंच संचालनकर्ता, डॉक्टर, निरंजय कुमार रहे. जिनके मुताबिक इन्होंने जिला प्रशासन, औरंगाबाद का 500 कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न कराया है. हालांकि ऐसे तो यह कार्यक्रम बालक बालिकाओ के लिए शिक्षा के दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण हैं. लेकिन इस कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्र से कुछ ऐसे बालक भी आए थे. जो उपस्थित पदाधिकारियों के समक्ष विषय पर आधारित संबोधन के क्रम में काफी लड़खड़ा जा रहे थे, परंतु औरंगाबाद, जिलाधिकारी, सौरभ जोरवाल, पुलिस कप्तान, कानतेश कुमार मिश्रा, उप विकास आयुक्त, अंशुल कुमार, सदर अनुमंडल पदाधिकारी, विजयंत ने बारी बारी से सभागार में मौजूद बालक बालिका, विद्यार्थियों को हौसला बढ़ाते हुए जीवन में निरंतर आगे बढ़ने की सलाह दी.

ग्रामीण क्षेत्र से आए बच्चों को जब संबोधन के दौरान पुलिस कप्तान, औरंगाबाद, कानतेश कुमार मिश्रा ने लड़खड़ाते हुए देखा, तो उनसे रहा नहीं गया, और अपने हाथ में कॉर्ड लेस माइक थामकर हौसला बढ़ाते हुए कहा कि मंच पर बोलने में घबराहट अधिक हो जाती है. अभ्यास करें, बोलते समय यदि पिक्चराइज कर लेते हैं, तो बोलने में आसानी होगी. पहले अभ्यास कर ले, तो बोलने में आत्मविश्वास रखना चाहिए. आप लोग टी0वी0 का भाषण प्रधानमंत्री, विभिन्न पॉलीटिकल पार्टी के नेताओं का देखें. आप लोग देश का भविष्य है. मायूस होकर नहीं जाना है. आप लोगों का यह पहला पायदान है. चंद्रमा पर भी भारतीय वैज्ञानिक ने पहला कदम ही रखा था. आप लोग भी पहली सीढ़ियां चढ़ रहे हैं.

इसके बाद डी0डी0सी0, अंशुल कुमार ने मंच से संबोधित करते हुए कहा कि सबसे बड़ी बात है कि आप जिले से चुनकर यहां आए हैं. यदि बीच में संकोच भी होता है, तो यह सभी के साथ होता है. जैसे जैसे पढ़ाई करेंगे, अच्छा होता जाएगा. अच्छे से पढ़े. जो चाहेंगे डॉक्टर, इंजीनियर आई0ए0एस0, आई0पी0एस0, पायलट बन सकते हैं, अभी मौका है. जो भी पढ़ते हैं. धीरे धीरे संचय होता जाएगा. तत्पश्चात जिलाधिकारी ने मंच से संबोधित करते हुए कहा कि पहली लाइन पढ़ना है. हम लोग के साथ भी ऐसा होता है. जो बोलना है, बोलिए, सोचिए मत. हमको भी पहली बार नाम बताने में 20 बार बोलनी पढ़ती थी. धीरे धीरे सब ठीक हो जाएगा. नाम बताने के लिए भी हम लोग भी प्रैक्टिस करते थे. पसीना आ जाता था. हाथ पांव फूलने कांपने लगते थे.

कार्यक्रम संयोजक डॉक्टर, निरंजय ने जानकारी देते हुए बताया कि विभागीय निर्देश के आलोक में जिला स्तरीय वाद विवाद, प्रतियोगिता एवं जिला स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है. इस प्रतियोगिता के लिए दो माह पूर्व से तैयारी की जा रही थी, तथा अनुसूचित जाति समूह के विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम में भाग लेने हेतु प्रेरित किया जा रहा था. 27 अक्टूबर 2021 से विभिन्न माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय से प्राप्त निबंधों का मूल्यांकन योजना भवन में कराया जाएगा. कार्यक्रम संयोजक ने जानकारी देते हुए बताया कि विभागीय दिशा निर्देश के आलोक में 20 अभ्यर्थियों को नगद पुरस्कार तथा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा.

निर्णायक मंडल के सदस्यों में सच्चिदानंद सिन्हा कॉलेज, औरंगाबाद, सेवानिवृत्त, प्रोफेसर, डॉ0 रामाधार सिंह, भूगोल विभाग, डॉक्टर, सुरेन्द्र प्रसाद मिश्र,, सेवानिवृत्त, प्रधानाध्यापक, राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, अंबा, तीरथ यादव, स्नातकोत्तर शिक्षक, जवाहर नवोदय विद्यालय, बारुण, पंकज राठौर, केंद्रीय विद्यालय बभनडीह भी उपस्थित रहे. इस प्रतियोगिता में औरंगाबाद के 30 सरकारी माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक विद्यालयों के छात्र छात्रा समूह ने हिस्सा लिया.

The Vice President, Shri M. Venkaiah Naidu addressing the gathering at the inauguration of the new campus of Sant Sohirobanath Ambiye Government College of Arts & Commerce, at Pernem, in Goa on October 28, 2021.

The Prime Minister, Shri Narendra Modi meeting the institutions and associations involved in commemoration of Indian soldiers who fought in World War, along with Sikh community members, in Rome, Italy on October 29, 2021.

The Union Minister for Defence, Shri Rajnath Singh during his visit to Terminal Ballistics Research Laboratory of DRDO, in Chandigarh on October 28, 2021.

The Minister of State for Science & Technology and Earth Sciences (I/C), Prime Minister's Office, Personnel, Public Grievances & Pensions, Atomic Energy and Space, Dr. Jitendra Singh addresses 75,000 farmers from 75 Aspirational Districts to commemorate the 75th year of India's Independence at the mega event "Farmers-Scientists Connect Meet", in New Delhi on October 28, 2021.

जेल से बाहर निकल कर जन्नत जैसा फील हो रहा है...

आर्यन खान ने जेल से निकले के बाद पहला रिएक्शन देते हुए कहा है कि उन्हे बाहर निकलकर जन्नत जैसा फील हो रहा है. बॉलीवुड के बादशाह कहे जाने वाले शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान के घर लौटने पर प्रशंसकों ने इसे खास बनाने के लिए कोई मौका नहीं छोड़ा और वे यहां अभिनेता के बंगले के बाहर बड़ी संख्या में एकत्रित हुए तथा गाने गाकर, नाचकर और पटाखे फोड़कर जश्न मनाया.

आर्यन खान मुंबई तट पर एक क्रूज जहाज पर मिले मादक पदार्थ के मामले में आर्थर रोड जेल में 22 दिन रहने के बाद शनिवार को बाहर निकले. एक विशेष अदालत से जमानत मिलने के बाद आर्यन खान सुबह करीब 11 बजे जेल से बाहर आए. सुबह 11 बजकर 33 मिनट पर शाहरुख खान की गाड़ियों का काफिला उनके बंगले मन्नत पहुंचा, वहां उनके सैकड़ों प्रशंसक खान परिवार की एक झलक पाने के लिए जुटे हुए थे. उनके समर्थक कार के साथ–साथ चलते हुए यह कह रहे थे, श्हम शाहरुख को प्यार करते हैं, हम आर्यन को प्यार करते हैं.श

जैसे ही आर्यन बंगले में पहुंचे, प्रशंसकों ने ड्रम की धुनों पर नाचना शुरू कर दिया और पटाखे फोड़े. पुलिस ने भीड़ और मीडिया को काबू में करने के लिए मन्नत के बाहर के इलाके में अवरोधक लगाए थे. पुलिस की तीन गाड़ियां और करीब 30 पुलिसकर्मी घटनास्थल पर मौजूद थे. इस महीने आर्यन की गिरफ्तारी के बाद से ही बंगले के बाहर डेरा डाले हुए मीडियाकर्मियों ने सुबह पांच बजे ही वहां पहुंचना शुरू कर दिया.

Congratulations

TO THE YOUNG AND TALENTED STUDENTS OF TALENT ZONE ACADEMY FOR ACHIEVING SUCH MARKS IN NEET & IIT.

You all have proved that great things can be achieved through hard works and efforts I would also like to congratulate the faculty team of the Talent Zone Academy for their efforts and giving proper guidance to the students This result marks the first stroke of the beginning

Sana homoeopathy Aligarh

HOMEOPATHY MEDICINE FOR DIABETES

9760291236

अंजीर पाचन तंत्र के लिए है बहुत लाभदायक

अंजीर का वृक्ष पहाड़ों पर खूब पैदा होता है। इसमें वर्ष में दो बार फल आते हैं, जून–जुलाई तथा इसके बाद जनवरी मास में। अंजीर के पके हुए फल को शीतल, मधुर, तृप्तिदायक, क्षय, वात, पित्त एवं कफ को नष्ट करने वाला माना जाता है।

यह आमवात नाशक, कुष्ठ, खुजली तथा अन्य त्वचीय रोगों को दूर करने वाला, जलन को शांत करने वाला, व्रणनाशक स्तंभक, सोजहर, तथा रक्तस्राव को रोकने वाला होता है। इसकी छाल कसैली, ठंडी, व्रणनाशक तथा दस्तनिवारक होती है। विटामिन ए तथा सी व कैल्शियम भी इसमें पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। आयुर्वेद के अनुसार थोड़ी मात्रा में खाए जाने पर अंजीर पाचक, रूचिकर और हृदय के लिए हितकर होता है परन्तु ज्यादा खा लेने पर दर्द के साथ अतिसार और अफरा हो सकता है। पाचन संस्थान की निर्बलता दूर करने के लिए अंजीर का प्रयोग किया जाता है परन्तु ऐसे में अंजीर का पूरा फल देने के बजाए उसका काढ़ा बनाकर देना चाहिए।

पेचिश वाले दस्तों के लिए अंजीर का काढ़ा बहुत उपयोगी होता है परन्तु काढ़ा बनाने के लिए उबालने से पहले इन्हें कुछ घंटे तक पानी में डालकर नरम कर लेना चाहिए और फिर तब तक पकाना चाहिए जबकि वे घुल ना जाएं। प्रतिदिन दूध के साथ अंजीर का सेवन करने से कब्ज़ दूर होती है। जिन लोगों को सदैव मलबंध की शिकायत होती है उन्हें अंजीर को अपने दैनिक आहार में शामिल कर लेना चाहिए। इनका प्रयोग नाश्ते में किया जा सकता है। अंजीर का दूध एक अच्छा आंत्रकृमि नाशक होता है। बवासीर के निदान के लिए पांच सूखे अंजीर को पानी में भिगोकर रात को रख दें। सुबह अंजीरों को उसी पानी में मसलकर पी लें। जिन लोगों को होठ, मुख फटने की शिकायत होती है उनके लिए ताजा या सूखा अंजीर बलदायक सिद्ध होता है।

मुख के जख्मों में अंजीर का दूध लगाया जाता है। नियमित रूप से अंजीर पाक का सेवन रक्त की शुद्धि करता है।

बादाम तथा पिस्ता के साथ अंजीर का नियमित सेवन करने से मस्तिष्क की कमजोरी दूर होती है, बुद्धि तथा याददाश्त तेज होती है। रक्त–पित्तजनित रक्तस्राव में अंजीर का रस शहद मिलाकर प्रयोग से लाभ होता है।

नक्सीर में अंजीर लाभदायक माना जाता है। बच्चों का जिगर बढ़ने की शिकायत दूर करने के लिए अंजीर बहुत फ़ायदेमंद है। सिरके में डाले गए अंजीर का नियमित सेवन करने से तिल्ली नहीं बढ़ती।

सूखे अंजीर को पानी में भिगोकर सुबह उन्हें मसलकर शहद के साथ एक माह नियमित रूप से सेवन करने से मूत्र में जलन तथा मूत्रावरोध जैसी समस्याएं दूर हो जाती हैं। अंजीर के रस में शहद मिलाकर पीने तथा बाद में दूध में खांड मिलाकर पीने से रक्त प्रदर का निदान हो जाता है।

खांसी में अंजीर का शरबत बहुत फायदेमंद होता है। यह बलगम को पतला कर बाहर निकलता है तथा पुरानी से पुरानी खांसी में भी फायदेमंद होता है। सूखे या हरे अंजीर को पीसकर उसके लेप को हल्का गर्म करके शोथवाली गांठों पर लगाने से सूजन मिट जाती है।

श्वेत कुष्ठ में इसकी जड़ को घिसकर त्वचा पर लेप किया जाता है। अंजीर के पत्तों को कूटकर रात को पानी में भिगो दें, सुबह इसे मसलकर, छानकर पीने से प्यास और उल्टियां शांत होती हैं। गर्मियों में प्रतिदिन अंजीर का शर्बत खाली पेट पीना चाहिए इससे गर्मी और प्यास नहीं सताती।

रोज थोड़ी सौंफ खाने के बहुत है फ़ायदे

सौंफ सिर्फ भोजन का स्वाद बढ़ाने का ही काम नही करती है। खाने के बाद थोड़ी सौंफ चबाने के अनेक फायदे हैं। सौंफ में कैल्शियम, सोडियम, फास्फोरस, आयरन और पोटेशियम जैसे तत्व होते हैं।पेट के कई विकारों जैसे मरोड़, दर्द और गैस्ट्रो विकार के उपचार में यह बहुत लाभकारी है। बड़ा हो या छोटा बच्चा यह हर किसी के स्वास्थ्य के लिए बड़ी लाभकारी है।

1. उल्टी प्यास जी मिचलाना जलन पेटदर्द व पित्तविकार मरोड़ आदि में सौंफ का सेवन बहुत लाभकारी होता है।
2. यदि पेट में मरोड़ होने से परेशान हैं तो सौंफ कच्ची–पक्की करके चबाएं। आराम मिलेगा।
3. सौंफ का अर्क दस ग्राम शहद मिलाकर लें। खाँसी में तत्काल आराम मिलेगा।
4. बेल का गूदा 10 ग्राम और 5 ग्राम सौंफ सुबह–शाम चबाकर खाने से अजीर्ण मिटता है और अतिसार में लाभ होता है।
5. दो कप पानी में उबली हुई एक चम्मच सौंफ को दो या तीन बार लेने से अपच और कफ की समस्या समाप्त होती है।
6. अस्थमा और खांसी के उपचार में सौंफ सहायक है।
7. अगर गले में खराश हो जाए तो सौंफ चबाना चाहिए। सौंफ चबाने से बैठा हुआ गला भी साफ हो जाता है।
8. रोजाना सुबह–शाम खाली सौंफ खाने से खून साफ होता है जो कि त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होता है, इससे त्वचा में चमक आती है।
9. 5–6 ग्राम सौंफ लेने से लीवर और आंखों की ज्योति ठीक रहती है। अपच संबंधी विकारों में सौंफ बेहद उपयोगी है। बिना तेल के तवे पर तली हुई सौंफ और बिना तली सौंफ के मिक्चर से अपच के मामले में बहुत लाभ होता है।
10. सौंफ और मिश्री समान भाग लेकर पीस लें। इसकी एक चम्मच मात्रा सुबह–शाम पानी के साथ दो माह तक लें। इससे आँखों की कमजोरी दूर होती है तथा नेत्र ज्योति में वृद्धि होती है।